

# सुनातनी

स्वर्णजयन्ती स्मारिका  
*Golden Jubilee Souvenir*



2022 ई.

संस्कृत विभाग, राँची विश्वविद्यालय  
राँची (झारखण्ड)

# सुनातनी

स्वर्णजयन्ती स्मारिका  
*Golden Jubilee Souvenir*



संस्कृत विभाग, राँची विश्वविद्यालय  
राँची (झारखण्ड)

2022 ई.



संस्कृत विभाग, राँची विश्वविद्यालय  
राँची

स्वर्णजयन्ती विशेषांक

सनातनी

ISSN 2348 - 9944

संस्थापक-संपादक  
डॉ० नीलिमा पाठक

मुख्य सम्पादक  
डॉ० अर्चना कुमारी दुबे

सम्पादक  
डॉ० श्रीप्रकाश सिंह

सह सम्पादक  
डॉ० मधुलिका वर्मा  
डॉ० उषा टोप्पो  
डॉ० भारती द्विवेदी

सम्पादन सहयोग

डॉ० चन्द्रशेखर मिश्र	श्री जगदम्बा प्रसाद
डॉ० धीरेन्द्र दूबे	एवम् श्री जगन्मय विश्वास
श्री एस. घोषाल	श्री आस्तिक हजाम

© सनातनी  
संस्कृत विभाग, राँची विश्वविद्यालय

: मुद्रक :  
कलानिधि ऑफसेट प्रिन्टर्स  
कचहरी रोड, राँची-1 | मोब.- 9334487625  
E-mail : kalanidhicards.ranchi@gmail.com



## -: विषयसूची :-

क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	सम्पादकीय	1
2.	अध्यक्ष की कलम से	3
3.	संस्कृत विभाग की प्रथम छात्रा का अनुभव डा० संगीता गुप्ता	5
4.	संक्षिप्त इतिहास प्रो० चन्द्रकान्त शुक्ल	7
5.	कालक्रमेण कार्यरता: विभागाध्यक्षा:	8
6.	कालक्रमेण पदस्थापिता: प्राध्यापका:	8
7.	कालक्रमेण तृतीयवर्ग पदस्थापिता: कर्मचारीगणा:	9
8.	चतुर्थवर्ग पदस्थापिता: कर्मचारीगणा:	9
9.	सत्रानुक्रमेण छात्रा:	10
10.	स्वर्णपदकलब्धानां छात्राणां सूची	10
11.	शोधप्रवेशपरीक्षायां प्रथमस्थाने उत्तीर्णछात्राणां सूची	11
12.	जे० आर० एफ०/नेट परीक्षोत्तीर्णछात्राणां सूची	11
13.	ज्योतिर्विज्ञान-प्राध्यापक:	12
14.	ज्योतिर्विज्ञानव्यावसायिकपाठ्यक्रमेण स्वर्णपदकलब्धानां सूची	12
15.	पीएच० डी० इत्युपाधिप्राप्तवतां सूची	13
16.	डी० लिट्० इत्युपाधिप्राप्तवतां सूची	21
17.	अन्यविश्वविद्यालयतः विभागे समुपागताः अतिथि संस्रुतविद्वान्सः	22
18.	पूर्ववर्तिकतिपयविशिष्टछात्राः	22
19.	उपनिषदों के आलोक में बादरायण व्यास – सम्मत वेदान्त तत्त्व प्रो० चन्द्रकान्त शुक्ल	24
20.	समाज में स्त्रियों की स्थिति : वैदिक एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य में डॉ० जानकी देवी	31
21.	अविमारक का नाट्यशास्त्रीय विश्लेषण डॉ० (श्रीमती) मीना शुक्ला	35
22.	रोजगारोन्मुखी संस्कृत भाषा डॉ० मोहन गोप	38
23.	सत्यव्रतशास्त्रिणः पत्रकाव्ये छन्दोविमर्शः प्रो० अर्चना कुमारी दुबे	41
24.	आबालवृद्ध की आवश्यकता – श्रीमद्भगवद्गीता* डॉ० नीलिमा पाठक	45
25.	मेघदूत में अपादानत्व का नैपुण्य डॉ० मधुलिका वर्मा	49
26.	विशिष्यद्वैत में तत्त्व विचार डॉ० उषा टोप्पो	52
27.	वैदिक गणित : एक अध्ययन डॉ० श्रीप्रकाश सिंह	55
28.	वेदों में वर्णव्यवस्थान्तर्गत शूद्र का स्थान : डॉ० भारती द्विवेदी	58
29.	अंगुष्ठ से व्यक्तित्व ज्ञान श्री एस. घोषाल	62

30.	उत्तररामचरितम् में विश्वबन्धुत्व – एक अनुचिन्तन जगदम्बा प्रसाद	85
31.	दशरूपक में वर्णित अर्थोपक्षेपकों की प्रासङ्गिकता जगन्मय विश्वास	68
32.	काव्य का स्वरूप और खण्डकाव्य : "मेघदूत" डॉ० हिमावती बिन्हा	71
33.	चाणक्यनीतिदर्पण में सदाचार दर्शन डॉ. लक्ष्मी कुमारी	75
34.	भास के नाटकों में सांस्कृतिक चित्रण डॉ. रेणु कुमारी	77
35.	"श्रीमद्भागवतमहापुराण में वर्णित दार्शनिक चिन्तन की प्रासंगिकता" पुजा पाण्डेय	80
36.	आगम ग्रन्थों में उपचारों का वैज्ञानिक भौतिक प्रभाव गगन कुमार मिश्र	83
37.	"अयन-चलन" शोधार्थी – ललिता सिद्धिदात्री	90
38.	सदाचार सत्यवती पाण्डेय	92
39.	ज्योतिर्विज्ञान की प्रामाणिकता – असंदिग्ध विदुषामनुचरः श्री ब्रजकिशोर ठाकुर	95
40.	सूर्य एवं सौरमण्डल का ज्योतिर्वैज्ञानिक अध्ययन : आधुनिक परिप्रेक्ष्य में बिमल कुमार मिश्र, शोधार्थी,	99
41.	भारतीय नाट्यशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में भास रचित उदयन कथाश्रित रूपकों में नाट्य-शिल्प शोध छात्रा – नीतु कुमारी	103
42.	उपमालंकार और उत्प्रेक्षालंकार में भेद निरूपण : अभिज्ञान शाकुन्तलम् के आलोक में" महेश्वरी कुमारी	109
43.	दूतकाव्य तथा दूतकाव्य की परम्परा श्वेता शर्मा (शोधच्छात्रा)	113
44.	विश्वसाहित्य तथा भारतीय साहित्य में पैशाची भाषा का प्रभाव डा० विजयाश्री	116
45.	परिणामशीलस्य जगतो नियमः – गुणत्रयसिद्धान्तदिशा कुमारी शःमाइति	120
46.	श्रीमद्भगवद्गीतायामीश्वरवादः श्रीमद्भगवद्गीतया सह – सांख्यदर्शनस्य तुलनात्मक समीक्षा दिशा कौशिक-पात्रः (शोधछात्रः)	123
47.	कठोपनिशद् में आत्म तत्त्व का विवेचन मीनु कुमारी – शोधच्छात्रा	126
48.	वैदिक ज्योतिष का स्वास्थ्य की दृष्टि से आकलन बिनाका वर्मा	130
49.	नाट्यकारभासस्य स्वाभिनव-नाट्यकौशलम् सत्येन्द्रनाथ आदक	132
50.	रामायण में नीतिदर्शन डॉ० भीष्मदेव प्रसाद	138
51.	आचार्य मर्तृहरि के नीतितत्त्व वरुण कुमार	140

